मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान

चर्चा में क्यों?

28 नवंबर, 2023 को प्रदेश के अधिक मलेरिया संवेदी बस्तर संभाग के सभी सात ज़िलों में 'मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' शुरू किया गया है। यह अभियान 19 दिसंबर, 2023 तक चलेगा।

प्रमुख बिंदु

- मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के नौंवे चरण में बस्तर संभाग के इन ज़िलों के 30 विकासखंडों के 2297 गाँवों में 15 लाख 92 हज़ार लोगों की मलेरिया जाँच का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये 1654 सर्वे दलों का गठन किया गया है।
- अभियान के दौरान 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और 598 उप-स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत मलेरिया की जाँच व उपचार के लिये दल सक्रिय रहेंगे। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम और मितानिनें घर-घर जाकर मलेरिया की जाँच करेंगी।
- इस दौरान मलेरिया की जाँच और इलाज के साथ ही इससे बचाव के लिये जन-जागरूकता संबंधी गतिविधियाँ भी चलाई जाएंगी। साथ ही लोगों को रोज मच्छरदानी के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।
- चिह्नांकित गाँवों में घर-घर मच्छर लार्वा सर्वेक्षण कर मच्छर उत्पन्न करने वाले स्रोतों को नष्ट किया जाएगा एवं पानी के समुचित रखरखाव व मच्छर से सुरक्षा के लिये लोगों को समझाइश दी जाएगी। घर के आस-पास स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय भी लोगों को बताए जाएंगे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/malaria-free-chhattisgarh-campaign-2